


रीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<p>4.7.19 पत्राचार पेश हुई</p> <p>वकील पक्षीकार उपाधी</p> <p>काश्त चार काज भी करवाये हैं।</p> <p>वकील वारी ने साक्ष्य चार</p> <p>लेख एक डोर डोरत आता</p> <p>जिस पर वकील पक्षीकार ने</p> <p>डोर काज भी तथा बरापा</p> <p>की वारी घा ने दि. 11.12.14</p> <p>के 28 डोरत साक्ष्य चार</p> <p>लेख दिये जाते हैं उपरोक्त</p> <p>काज तक आपाएष के मरी ले</p> <p>उपाधीत रही है न की डोर</p> <p>काश्तका ने साक्ष्य चार के</p> <p>शपथपत्र पेश किये हैं वकील</p> <p>चारी ने साक्ष्य चार के</p> <p>डोरत प्रदात करे पर चार</p> <p>भी साक्ष्य पेश चारी मरी कर</p> <p>को भी मारी मरी बरापा</p> <p>इस प्रकार दि. 7.5.19 को</p> <p>साक्ष्य चार लेख डोरत डोरत</p> <p>दो व डोरत भी काज भी</p> <p>साक्ष्य को आपाएष में उपाधीत</p> <p>की बरापा मरी साक्ष्य चार</p> <p>बंद भी जाते हैं चारी काश्तका</p> <p>उपाधी साक्ष्य चार काज तक पत्र</p> <p>मरी बरगे मरी जोर लिखित</p> <p>मारी बरापा की काज भी</p> <p>डोरत पर आपाधीत मरी डोर</p> <p>काज: चारी काश्तका का प्रमाण</p> <p>पत्र साक्ष्य चार लेख एक डोरत</p> <p>दिये जाते हैं डोरतका मरी चारी</p>	

अध्यायक कलेक्टर  
(D.O.) रेंवदर

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख जो इस हुकम में जारी
	<p> <del>               चूंकि इस प्रमाण से वादीपति                द्वारा कृपण बंध व लम्पसु                के कर्तबखाने प्रमाण नहीं मिल                शक. वादीपति का बंध प्रमाण                31. 9. 1888 रजि. 1213                परिलक्षणीय नहीं होगा व वादीपति                विप्रा अन्तर्गत डि. प्रमाण                जारी हो. प्रमाणों प्रमाण                प्रमाण होकर गठित हो गये।             </del> </p> <p style="text-align: right;">               अज्ञ                (प्रमाण व प्रमाण)                सहायक कलेक्टर                (S. D. O.) रंचदर             </p>	

